शपथ-पत्र

महत्तम महोत्सव <u>व्रत-विवेक रजिस्ट्रेशन फार्म</u>

व्रत-विवेक

मैं..... नीचे दिए गए गोचरी (आहार) संबंधी पांच प्रत्याख्यान ग्रहण करके चारित्रात्माओं के उत्कृष्ट संयम की पालना में सहयोगी बनना स्वीकार करता हूंः-

1. म.सा. को आता देखकर घर के अंदर सूचना नहीं देना।

2. म.सा. को आता देखकर गैस बंद नहीं करना।

3. स्थानक भवन के अन्दर म.सा. को गोचरी के भाव नहीं भाना।

4. भोजन करते समय स्वयं को मोबाईल से स्पर्श नहीं रखना।

5. घर असूझता होने पर किसी पर क्रोध नहीं करना।

.....
.....

संकल्प ग्रहण करने वाले का नाम-.....

परिवार के मुखिया का नाम-.....

जन्म तिथि/ आयु-.....

शहर/ गांव का नाम- ..... जिला-.....

अंचल-.....

मोबाईल नंबर-.....

पता-……

……

……

कार्यकर्ता का नामः- शपथ ग्रहणकर्ता के हस्ताक्षर

……..
……

……

शपथ-पत्र

<u>व्रत-विवेक रजिस्ट्रेशन फार्म</u>

मैं …… नीचे दिए गए श्रावक के बारह व्रतों में से प्रत्येक व्रत पर दिए गए सभी क्रियात्मक संकल्पों को ग्रहण करता हूं।

1. प्राणातिपात

1. मांसाहारी व्यक्ति के साथ एक प्लेट में भोजन नहीं करना।

2. कीटनाशक/ शराब/अफीम/ नशीली वस्तु / मांस आदि का व्यापार नहीं करना व ऐसे व्यापार से जुड़ी कंपनी के शेयर नहीं खरीदना।

3. द्वेषवश किसी की आजीविका नष्ट नहीं करना , जैसे नौकरी, भागीदारी छुड़ाना।

2. मृषावाद

1. जमीन- जायदाद की झूठी रजिस्ट्री नहीं करवाना।

2.लड़के/ लड़की का कोई बड़ा दोष/ रोग/ दुर्गुण छिपाकर विवाह आदि नहीं करना।

3. बिना पक्की जानकारी के किसी पर चोरी/ व्यभिचारी आदि का बड़ा आरोप नहीं लगाना।

3. अदत्तादान

1. जान बूझकर चोरी का माल नहीं खरीदना।

2.वस्तु या माल में अपनी तरफ से मिलावट नहीं करना।

3. दूसरा माल दिखाकर , घटिया माल पैकिंग आदि करके नहीं भेजना।

4. मैथुन

1.अपने घर/ आफिस/ दुकान पर अश्लील फोटो नहीं लगाना।

2. पर स्त्री/ पर पुरुष/ अवैवाहित से मैथुन नहीं करना।

3.पर्यूषण में पूर्ण ब्रह्मचर्य का पालन करना।

5. परिग्रह

1. 100 जोड़ी कपड़े पुरुष वर्ग/ 200 साड़ी या ड्रेस से ज्यादा महिला वर्ग को नहीं रखना।

2. आपकी आय का 1 प्रतिशत धार्मिक कार्य में लगाना।

3. स्वयं के नाम पर एक मोबाईल से अधिक नहीं रखना।

6. दिशाव्रत

1. भारत के बाहर नहीं जाना, यदि जाना आवश्यक हो तो 5 नवकार मंत्र गिने बिना नहीं जाना।

7. उपभोग**-** परिभोग

1. माह में 10 दिन बाजार की मिठाई व कोल्ड ड्रिंक्स का उपयोग नहीं करना।

2. जब भी साधु- साध्वी जी का सानिंध्य मिले सचित- अचित का ज्ञान करना।

8. अनर्थदंड

1. व्यक्तिगत भोजन करने की स्थिति में स्वयं की थाली में भोजन कभी भी झूठा नहीं छोड़ना ।

9. सामायिक

1. सामायिक में सेल की घड़ी का उपयोग नहीं करना।

10.देशावकाशिक

1. प्रतिदिन 3 मनोरथ का चिंतन करना।

11. पौषध

1. वर्ष में 1 या अधिक पौषध करना, कदाचित नहीं हो तो संवर करना।

12. अतिथिसंविभाग

1. साधु- साध्वी जी आहार-पानी की गवेषणा करे तो झूठ नहीं बोलना ।

……
……..

संकल्प ग्रहण करने वाले का नामः…….

परिवार के मुखिया का नाम-……..

जन्म तिथिः/ आयुः……..

शहर/ गांव का नाम-…….
जिला-……..

अंचल-……

मोबाईल नंबर-……

पता-……..

……..

……

क्या आप पूर्व में बारह व्रतों में से किसी व्रत से जुड़े हुए हैं, यदि हैं तो कितने ?.....

कार्यकर्ता का नाम शपथ ग्रहणकर्ता का नाम

……..
……

……

शपथ पत्र

मैं ……श्रावक से “सुश्रावक" बनने हेतु आचार्य श्री रामेश द्वारा प्रदत्त निम्न11 बिंदुओं को अपने जीवन मैं धारण करता हूँ-

१)उत्क्रांति के नियमो की पालना करना ।
२)नेतिक अर्थोपार्जन करना ।
३)पुच्छिसुणम एवं श्री दशवेकालिक सूत्र के ४ अध्ययन कंठस्थ करना ।
४)प्रति माह चार पक्की नवकारसी करना।
५)जैन सिद्धांत बत्तीसी कंठस्थ करना ।
६)निर्दोष भिक्षा ही देने वाला श्रावक बनाना ।
७)प्रतिवर्ष १२ दया / पोषध करना ।
८)सूखे समाधे प्रतिदिन सामायिक करना ।
९) श्रावक के बारह ही व्रतों को किसी न किसी अंश में स्वीकारने वाला श्रावक बनाना ।
१०)सप्त कुव्यसन का त्याग करना ।
११)प्रतिदिन कम से कम आधा घंटा स्वाध्याय (शास्त्र या धार्मिक पुस्तक का पठन) करना ।

……
…
संकल्प ग्रहण करने वाले का नाम - ……..
परिवार के मुखिया का नाम - ……
जन्म तारीख़/ उम्र-……
शहर / गाँव - …… जिला -……
अँचल-……..
मोबाइल नम्बर - ……

पत्ता-……..

……..

……..

कार्यकर्ता का नाम :-

……

सपथ ग्रहणकर्ता के हस्ताक्षर

……